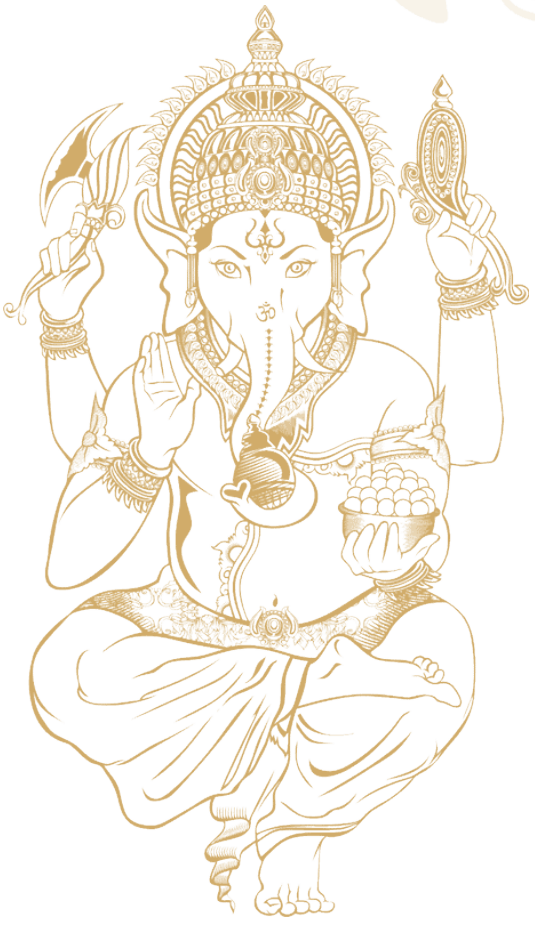

Akash

Seema

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121325202

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
03/04/1987	जन्म तिथि	03/08/1990
शुक्रवार	दिन	शुक्रवार
घंटे 22:30:00	जन्म समय	12:30:00 घंटे
घटी 42:04:00	जन्म समय(घटी)	17:52:04 घटी
India	देश	India
Gua	स्थान	Ashoknagar
22:12:00 उत्तर	अक्षांश	24:34:00 उत्तर
85:23:00 पूर्व	रेखांश	77:43:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:11:32	स्थानिक संस्कार	-00:19:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:40:24	सूर्योदय	05:48:09
18:03:54	सूर्यास्त	19:02:04
23:40:40	चित्रपक्षीय अयनांश	23:43:47

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
चन्द्र 1वर्ष 8मा 29दि	19:53:10	वृश्चि	लग्न	तुला	16:04:51	केतु 2वर्ष 5मा 0दि
गुरु	19:43:54	मीन	सूर्य	कर्क	16:58:17	चन्द्र
01/01/2014	21:00:09	वृष	चंद्र	धनु	08:43:45	02/01/2019
01/01/2030	04:59:26	वृष	मंगल	मेष	20:20:59	02/01/2029
गुरु 19/02/2016	23:15:17	कुंभ	बुध	सिंह	12:53:00	चन्द्र 03/11/2019
शनि 02/09/2018	14:00:26	मीन	गुरु	कर्क	03:00:43	मंगल 03/06/2020
बुध 08/12/2020	13:31:56	कुंभ	शुक्र	मिथु	23:20:37	राहु 03/12/2021
केतु 13/11/2021	27:28:30	वृश्चि व	शनि व	धनु	26:53:17	गुरु 04/04/2023
शुक्र 14/07/2024	17:49:13	मीन व	राहु	मक	13:34:20	शनि 02/11/2024
सूर्य 03/05/2025	17:49:13	कन्या व	केतु	कर्क	13:34:20	बुध 03/04/2026
चन्द्र 02/09/2026	03:02:50	धनु व	हर्ष व	धनु	12:34:35	केतु 03/11/2026
मंगल 09/08/2027	14:18:49	धनु	नेप व	धनु	18:43:16	शुक्र 03/07/2028
राहु 01/01/2030	15:36:06	तुला व	प्लूटो	तुला	21:15:30	सूर्य 02/01/2029

लग्न-चलित

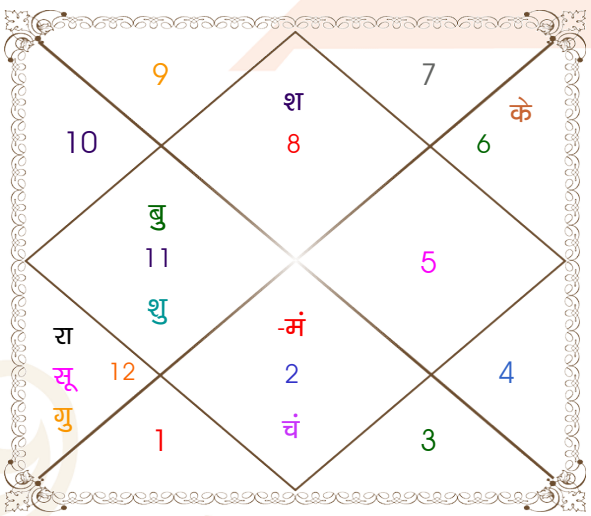

लग्न-चलित

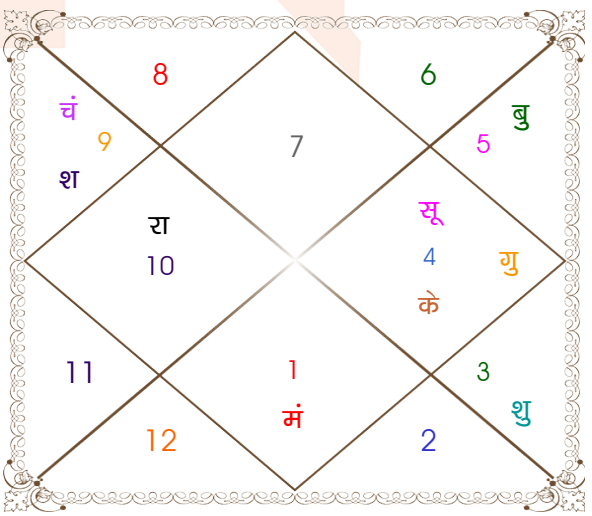

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	क्षत्रिय	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	क्षेम	वध	3	1.50	--	भाग्य
योनि	सर्प	श्वान	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	गुरु	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	राक्षस	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	वृष	धनु	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	13.00		

गणदोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता नहीं है।

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

Akash का वर्ग मृग है तथा Seema का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Akash और Seema का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

Akash मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

अजे लग्ने व्यये चापे पाताले वृश्चिके स्थिते।
वृषे जाये घटे रन्ध्रे भौम दोषो न विद्यते।।

अर्थात् मेष राशि लग्न में, द्वादश में धनुराशि, चतुर्थ में वृश्चिक राशि, सप्तम में वृष राशि तथा अष्टम में कुम्भ राशि में मंगल स्थित हो तो मंगल दोष नहीं होता है। क्योंकि मंगल Akash कि कुण्डली में सप्तम् भाव में वृष राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं चन्द्र Akash कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Seema मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

चतुः सप्तमे भौमो मेषकर्कटे निग्रहः।
कुजदोषो न विद्यते।।

अर्थात् चतुर्थ तथा सप्तम भाव में यदि मेष या कर्क का मंगल हो तो कुजदोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल Seema कि कुण्डली में सप्तम् भाव में मेष राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Seema कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Seema कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Akash तथा Seema में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।